Patrika (Indore), 16th February 2026, Page – 01

बदलाव : एक सेमेस्टर के लिए मिलेंगी सुविधा, शुरू में सीमित होगी व्यवस्था

आइआइटी नहीं रहेंगे सीमाओं में कैद... इंदौर के छात्र मद्रास, मद्रास के इंदौर में कर सकेंगे पढ़ाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अपनी व्यवस्थाओं में बड़ा परिवर्तन करते हुए एक-दूसरे के लिए अपने दरवाजे खोलने जा रहे हैं। यह व्यवस्था इसी शैक्षणिक सत्र से लागू हो सकती है। नई व्यवस्था के मुताबिक छात्र अब केवल अपने आवंटित परिसर तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे दूसरे आइआइटी में चुनिंदा पाठ्यक्रम पढ़ सकेंगे। इस दौरान वे आइआइटी में एक सेमेस्टर की पढ़ाई कर सकेंगे और अर्जित किए गए क्रेडिट को अपने मूल संस्थान में स्थानांतरित करवा सकेंगे।

क्रेडिट ट्रांसफर व छात्रों के आने-जाने पर चर्चा

आइआइटी के अकादमिक डीनों की बैठक में क्रेडिट ट्रांसफर और छात्रों के आने-जाने पर चर्चा हुई। तय किया कि अब आइआइटी सशक्त और आपस में जुड़े नेटवर्क के रूप में विकसित हों। आज छात्र इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और शोध के लिए अलग-अलग शहरों में जाते हैं। यदि किसी छात्र को मुंबई में इंटर्नशिप के लिए जाना पड़ता है तो वह उस अवधि में आइआइटी पाठ्यक्रम में हिस्सा लेकर समय व ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर सकेगा।

इससे आइआइटी में शैक्षणिक आदान-प्रदान हो सकेगा। आइआइटी मद्रास के निदेशक पद्मश्री वी. कामकोटी ने बताया कि नई योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रम के पाठ्यक्रमों का मिलान किया जा रहा है, ताकि छात्र बिना शैक्षणिक नुकसान के दूसरे परिसर में अध्ययन कर सकें। सब ठीक रहा तो मद्रास के छात्र अन्य आइआइटी और कानपुर, दिल्ली और इंदौर जैसी आइआइटी के छात्र मद्रास आकर पढ़ाई कर सकेंगे।